विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–4 | अंक–12 | जुलाई–सितम्बर, 2016

www.vidyabhawan.org

आइये बंटे नहीं, प्रेम को बांटे

डॉ. अनिल मेहता

पूरे विश्व में आज एक तरह का ध्रुवीकरण है। इस ध्रुवीकरण से मानव समाज परस्पर घृणा, अविश्वास, व्यापक निराशा जैसी नकारात्मकता में गहराई से जकड़ लिया गया है। इस गंभीर परिस्थिति में विद्या भवन पर एक नई जिम्मेदारी आ पड़ी है। यह जिम्मेदारी है कि हम किसी प्रकार के ध्रुवीकरण का शिकार नहीं बनते हुए सम्पूर्ण मानव समाज को भेदभाव व घृणा से मुक्त बनाये एवं प्रेम, समानता, परस्पर सम्मान व सहयोग, साहचर्य को पुनः स्थापित करे। विद्या भवन का मूल गतिशील मानवतावादी, प्रकृतिवादी विचार हमें इसकी राह दिखाता है। अनुभूत सफल प्रयोगों का हमारा इतिहास हमें ऐसा करने का आत्मविश्वास एवं साहस प्रदान करता है। इस प्रस्तावना के साथ मौजूदा विश्व में हो रहे ध्रुवीकरण को खुले एवं निरपेक्ष मन से समझना जरूरी है। वर्तमान विश्व का यह ध्रुवीकरण विचारों, आस्थाओं, आइडियोलॉजी का है। अर्थात मोटे तौर पर बुद्धिजीवी या इंटेलेक्चुअल लोगों का है।

बुद्धिजीवी की इस श्रेणी में हमारे जैसी शिक्षण संस्थाओं के कार्यकर्ता, शिक्षक, प्राध्यापक सहित लेखक, पत्रकार, कलाकार, स्वैच्छिक संस्थाओ के प्रतिनिधि दर्शन शास्त्री इत्यादि सहित पूरा पढ़ा लिखा तबका रखा जा सकता है। यह ध्रुवीकरण इतना गहरा है कि इस से मुक्त किसी विचार, किसी स्वतंत्र इंसान के होने की स्मृति भी हमारे दिमाग से विस्मृत करवाई जा रही है।

इस ध्रुवीकरणा के दोनों पालों के, बंटे हुए, ये कथित बुद्धिजीवी तथापि इंसान की गरिमा सहित समानता, सहनशीलता, प्रेम मयी, युद्ध रहित शांतिपूर्ण समाज की स्थापना को अपनी मूल आस्था एवं जीवन दर्शन मानते है। लेकिन, व्यवहारिक रूप में व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में ठीक इसके विपरीत कार्य कर रहे हैं एवं राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक सत्ता प्राप्त करने एवं वैचारिक साम्राज्यवाद को स्थापित करने के अनेक आडम्बर कर रहे हैं। और, इसमें इंसान, इंसानियत गौण होती जा रही है।

एक पाले के लोग स्वयं को उदारवादी वामपंथी, लेफ्ट लिबरल मानते हैं तो दूसरे पाले के लोग स्वयं को राईट नेशनल, दक्षिणपंथी मानते हैं। लेकिन वास्तविकता की कसौटी पर परखे जाए या अनुभूत किए जाये तो ये प्रचलित पंथ अर्थात लेफ्ट लिबरल और राईट नेशनल, स्वयं में ही, सबसे बड़े ऑक्सिमोरोन, विरोधाभासी साबित हो रहे हैं। अपनी विचारधाराओं व आस्थाओं के कट्टरपंथ ने इन्हें असहनशील, कठोर, हिंसा पूर्ण बना दिया है। नैतिकता और मूल्यों का दम्भ भरने वाले, पंथविहीन समाज की वकालत करने वाले ये दोनों पंथ घोर पोंगापंथी, मोरल हिपोक्रेट, इंटलेक्चुअल हिपोक्रेट साबित होते जा रहे हैं। यद्यपि दोनों विचारो के मूल में कई समान शास्वत मूल्य निहित हैं, लेकिन वे इन दोनों पालों को

शेष पृष्ठ 2 पर...

अंदर देखें...

- ✓ शनिवारीय प्रार्थना सभा 3
- ✓ ईमानदारी की मिसाल 4
- ✓ जूड़ो, कुश्ती में राज्य स्तर पर चयन 5
- ✓ जैव विविधता पर पोस्टर प्रतियोगिता 6
- ✓ बिना हुनर व ज्ञान के इंजीनियर 7
- ✓ "ये हौसलों की ऊड़ान है" 8
- ✓ व्यक्तित्व उन्नयन कार्यशाला 11
- ✓ समुदाय के जुड़ाव के लिए पहल 14

विद्या भवन सी.सै. स्कूल की मेजबानी में खेली गई जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में खिताब के साथ विद्यालय की हॉकी टीम

सम्पादकीय...

विद्या भवन स्कूल की हॉकी टीम सुर्खियों में रही। टीम को इस ऊंचाई पर पहुंचाने का श्रेय निःसंदेह विद्यालय की प्राचार्या मधुलिका कोठारी एवं शारीरिक शिक्षक कुलदीप शर्मा को जाता है। उनके नेतृत्व में विद्यालय की टीम ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं जीतीं और कई खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन भी हुआ। हमें इसे एक अवसर के रूप में देखना चाहिए तथा विद्यालय की खेल प्रतिभाओं को और ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करना चाहिए। सोसायटी ने शिक्षक दिवस पर पूर्व अध्यापकों को सम्मानित कर कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ाया है। यह वाकई एक सकारात्मक पहल है।

स्कूलों में शनिवारीय प्रार्थना सभा का पुनः प्रारंभ होना विद्या भवन की परंपराओं के प्रति हमारे विश्वास को और बढ़ाता है। विद्या भवन की एक और विशेषता यह है कि विद्यार्थी लोकतांत्रिक प्रणाली को जानें और अनुभव करें। इसके लिए विद्या भवन के कॉलेज और स्कूल में छात्र पंचायत के गठन की गतिविधि आयोजित की गई।

विद्या भवन को बाहरी संस्थाओं से भी सहयोग मिला है। इनमें शिक्षा संबंलन कार्यक्रम तथा कोलगेट कंपनी द्वारा स्कूलों में मिलने वाली स्कॉलरशिप शामिल है।

कला संस्थान (बीएचटीसी) का संयुक्त इकाई में शामिल होना भी एक नवीन प्रयोग है।

सलाहकार
हृदय कान्त दीवान

संपादन
गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

...पृष्ठ 1 का शेष

परस्पर तभी स्वीकार होते हैं जब वे उन्हीं के पंथ की भाषा व शब्दावली में बोले जाये।

यह व्यापक और गहराता जा रहा ध्रुवीकरण मानव समाज के लिए खतरनाक है। इसने हिंसा, असमानता असहनशीलता को बढ़ाया ही है। स्वीकार और अंगीकार करने, प्रेम बांटने और क्षमा करने व मांगने, करुणा और संवेदनशीलता जैसे गुणों वाला मूल मानव स्वभाव इससे प्रदूषित हुआ है।

ऐसे में विद्या भवन के हम साथियों पर एक सच्चे और वास्तविक रूप से सहनशील, उदारतावादी, समरस समाज के निर्माण की महत्ती जिम्मेदारी आ पड़ी है। भाईसाहब डॉ. मोहन सिंह मेहता सहित विद्या भवन के अन्य संस्थापक ऐसे विपरीत समय में हमें राह दिखाते हैं। भाईसाहब में उदारवाद, सर्वधर्म समभाव, सहनशीलता, अपनापन, क्षमा मांगने और करने, राष्ट्रीयता, वसुधैव कुटुम्बकम्, क्रांतिकारिता, गांधी मार्ग जैसे अनेक मूल्यों का एक रचनात्मक, परिणाम मूलक, प्रगतिवान एवं आडम्बर रहित संतुलित मिश्रण था। उन्होंने विद्या भवन एवं सेवा मंदिर में इन मूल्यों को क्रिया में, एक्शन में परिणित किया।

भाईसाहब के विचार आज भी इन अर्थों में प्रासंगिक हैं कि वे बदलते विश्व एवं बदलते समय की कसौटी पर खरे उतरते रहे। भाईसाहब के विचारों, दर्शन एवं कर्म का विद्या भवन पूरे विश्व का एक प्रतिबिम्ब रहा जहां मानव समाज एवं प्रकृति की अन्तर्निहित विविधता को सही मायने में समझा गया और शिक्षा व सेवा के विभिन्न प्रयोगों से उन्हें वास्तविकता में परिणित किया गया। यह गतिशील परंपरा आज भी कायम है।

आइये, विद्या भवन के हम साथी मानवतावादी हर मूल्य को सीखते हुए विद्या भवन के अनुभूत मूल विचार, इतिहास और उपलब्धियों की हमारी मजबूत नींव पर एक ऐसे मानव समाज का निर्माण करे जहां प्रेम, समभाव, सदभाव स्वतः पल्लवित, पुष्पित हो। विविधता बनी रहे, स्वीकार्य हो और विविधता की सुंदरता, उसका आनंद सभी को एक प्रेम मयी राह पर ले जाते हुए सर्वजन विकास, मानवतावादी प्रगति को स्थापित करे। हम हर प्रकार के वैचारिक कट्टरपन से मुक्त रह घृणा और भेदभाव को तिरोहित करें। हम हर अच्छे विचार और कार्य को, हर इंसान को स्थान दे और उत्तेजनाओं से मुक्त रहते हुए गलत विचारो का विनम्र साधनों से शुद्धिकरण करें। प्रतिकूल लगने वाले इंसानो को भी अपना माने, उन्हें स्वीकार करे और फिर सद्भावना से परिष्कार कर उन्हें गरिमा प्रदान करें। स्वयं भी सीखें, क्योंकि मूल रूप से हर इंसान अच्छा ही होता है। विद्या भवन ने हमें यही सिखाया है। गांधी मार्ग भी यही है।

डॉ० अनिल मेहता
प्राचार्य, विद्या भवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय

विद्या भवन अकाउण्ट्स एण्ड फाईनेन्स

आंतरिक ऑडिट संपन्न

विद्या भवन सोसायटी से संबंद्ध सभी संस्थाओं के कार्यों की ऑडिट की गई। ऑडिट के लिए दो बाहरी संस्थाओं बी. एल. पगारिया एंड कंपनी तथा वी. सी. व्यास एंड एसोसिएट शामिल थीं।

ग्राण्ट-इन-एड की राशि जमा

राज्य सरकार से बकाया ग्राण्ट-इन-एड की राशि में से 5.7 करोड़ रूपए विद्या भवन को मिली है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार प्रारंभिक, माध्यमिक एवं कॉलेज शिक्षा के तहत यह राशि जमा करवाई गई है। राज्य सरकार द्वारा इस राशि का मिलना विद्या भवन के वादे को संतुष्टि देता है।

अंतिम चरण में मूल्यांकन

कर विभाग द्वार 2012-13 के वित्तीय वर्ष में कुल कर में 34.53 लाख रूपए की कटौती की गई। वर्ष 2014-15 का मूल्यांकन कार्य भी अंतिम चरणों में है।

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

www.vbssschool.org

शनिवारीय प्रार्थना सभा

विद्या भवन की परम्पराओं को बनाये रखते हुए विद्यालय में शनिवारीय सभा को प्रारंभ किया गया। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि 1931 में विद्याभवन की स्थापना की गई जिसका उद्देश्य था एक अच्छे समाज की स्थापना जहां सभी व्यक्ति एक साथ प्यार से रहें और उस तत्कालीन सामंती व्यवस्था में भी सभी को सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक रूप से समानता प्राप्त हो। शनिवारीय सभा में बालकों के सर्वांगीण विकास, चारित्रिक विकास, अनुशासन व नेतृत्व भावना के विकास हेतु वार्ताओं का आयोजन किया जाता है।

शैक्षिक भ्रमण

कृषि विज्ञान केन्द्र के स्थापना दिवस पर कक्षा 9 के 77 छात्र-छात्राएं कृषि विज्ञान केन्द्र गए। वहां उन्होंने कृषि और बागवानी से सम्बन्धित जानकारी, पशुपालन, गोबर गैस, विभिन्न नवीन कृषि यंत्रों, मशीनों व मृदा विहीन कृषि, कलम लगाना, गुट्टी बांधना तथा वर्मी कम्पोस्ट बनाना सीखा।

विद्याभवन की 85वीं वर्षगांठ

विद्या भवन की 85वीं वर्षगांठ प्रकृति साधना केन्द्र पर मनायी गयी। प्राचार्या मधुलिका कोठारी ने कहा कि यह पर्व हमें आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। विद्या भवन की सभी संस्थाओं ने मिलकर सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया। तत्पश्चात बच्चों ने ट्रेकिंग का आनंद लिया। मुख्य अतिथि, विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता एवं विद्यालय के पूर्व छात्रों ने वृक्षारोपण किया। पूर्व छात्र डॉ. मनोहरलाल शर्मा ने रटने के स्थान पर समझकर पढ़ने पर जोर दिया। समारोह में पूर्व अध्यक्ष रियाज़ तहसीन, सत्र 1966 में अध्ययनरत विद्यार्थियों का समूह, विद्या बंधु संघ के सदस्य, विद्या भवन की सभी संस्थाओं के कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। समापन "विद्याबंधु" गीत से हुआ।

अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन

अध्यापक-अभिभावक दिवस पर प्राचार्या ने अभिभावकों से विद्यालयी गतिविधियों व छात्र-छात्राओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। जूनियर स्कूल इंचार्ज रेणु जाधव ने विद्यालय में अनुशासन सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर बात की। वरिष्ठ अध्यापिकाओं निर्मला तेली व नीलोफर मुनीर ने सहभागिता की। अभिभावकों से सकारात्मक सुझाव आए।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य अतिथि 1966 बैच की विद्या भवन की पूर्व छात्र अलका श्रीमाली थीं। प्राचार्या मधुलिका कोठारी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया। बच्चों द्वारा मार्च-पास्ट व व्यायाम प्रदर्शन (पी.टी.) किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति नृत्य, समूह गान आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें देश सेवा व राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। संचालन कक्षा 12वीं की छात्र दीना व्यास व छात्र दिनेश यादव ने किया।

शाला पंचायत का गठन

विद्यालय में शाला पंचायत का गठन किया गया। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद का चयन कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदान प्रणाली से किया गया। अध्यक्ष पद पर कक्षा 12 वाणिज्य के छात्र यशवंत सैनिक व उपाध्यक्ष पद पर कक्षा 11 विज्ञान वर्ग के छात्र राजू मेघवाल का चयन हुआ।

पुस्तकालय सप्ताह

पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता में 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता निम्न 4 चरणों में सम्पादित हुई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कार्टून की दुनिया, मेरा पुस्तकालय, स्वच्छ भारत, मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्र बनाए। इसमें छवि वैष्णव, हेमलता सोलंकी, लक्षित चौबीसा और जितेन्द्र सुथार प्रथम रहे। 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर निबंध प्रतियोगिता में प्रीति नाथ प्रथम रही।

जूनियर विभाग

नया सत्र योग दिवस के रूप में मनाने के साथ प्रारंभ हुआ। इसके अन्तर्गत कक्षा-1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया योगासन, ध्यान व चर्चा भी हुई। संचालन रेणु बोर्दिया ने किया। इस सत्र से विद्यालय की गणवेश में परिवर्तन किया गया। प्रत्येक कक्षा से दल नेताओं का चुनाव किया गया।

डॉ. अब्दुल कलाम पर फिल्म शो हुआ। प्रार्थना सभा के दौरान कक्षा-5 के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में अपनी भागीदारी निभाई जिसमें अंग्रेजी व हिन्दी समाचार क्या आप जानते हैं, मेंटल मेथ्स के सवाल, हिन्दी व अंग्रेजी कविता, पेरेग्राफ रीडिंग, रोचक जानकारी तथा अनमोल वचन आदि प्रस्तुत किए गए। विद्यालय परिसर में पानी की टंकी का निर्माण कार्य चल रहा है, इसकी विस्तृत जानकारी कक्षा-4 के बच्चों ने प्राप्त कर रिपोर्ट लिखी।

जूनियर सेक्शन में मासिक मूल्यांकन की शुरूआत की गई। इस सत्र में भी इसी तरह की परीक्षा प्रणाली रखी गई। फर्स्ट एसेसमेंट जुलाई के अंतिम सप्ताह में हुए। विद्यालय में भाषा व गणित शिक्षण में सुधार हेतु विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता के सानिध्य में बैठक का आयोजन किया गया, योजना बनाई गई तथा क्रियान्वयन पर जोर दिया जा रहा है।

नर्सरी विभाग

अभिभावक दिवस पर अभिभावकों ने उनके बच्चों से संबंधित समस्याओं व सुझावों पर खुली चर्चा की। चर्चा में सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता, शिक्षा सलाहकार कमल महेन्द्रू, शिक्षा केन्द्र के निदेशक प्रसून कुमार एवं सदस्यों ने भी चर्चा में भाग लिया। कमल महेन्द्रू द्वारा नई पाठ्यपुस्तकों व पाठ्यक्रम के बारे में बताया गया।

त्योहार और मेले

हरियाली अमावस्या पर त्योहार और मेले की जानकारी दी गई। स्वतंत्रता दिवस पर

शेष पृष्ठ 16 पर...

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

www.vbbasicschool.org

कृषि के बारे में जाना

शिक्षक इन्दरलाल के साथ कक्षा-9 के 43 विद्यार्थी विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र गये। वहां पर विद्यार्थियों को कृषि से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। विद्यार्थियों ने कृषि के औजारों, मिट्टी तथा सिंचाई के साधनों के बारे में जानकारी प्राप्त की साथ ही विद्यार्थियों को नर्सरी में पौधों के रख-रखाव, उनसे कलम तैयार करना तथा मक्का, चावल आदि फसलों की विभिन्न किस्मों को जानने का अवसर प्राप्त हुआ।

ईमानदारी की मिसाल

कक्षा-3 की छात्रा दुर्गा गमेती खेल के मैदान में खेल रही थी। उसे मैदान में 100 रुपये का नोट मिला जिसको लेकर वह अपनी शिक्षिका के पास पहुंची। यह देखकर शिक्षिका उसकी ईमानदारी पर बहुत खुश हुई और प्रार्थना सभा में उसको सम्मानित किया गया। इसी प्रकार कक्षा-4 के छात्र योगेन्द्र सिंह पंवार ने भी इसी प्रकार की ईमानदारी का परिचय दिया।

61वीं जिला स्तरीय खेलकूद

61वीं जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय से 14 छात्र वर्ग टीम खेलने हेतु सलूम्बर गई। जहां शिक्षक ललित मेनारिया के निर्देशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जहां उन्होंने 62 टीमों में से चौथा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय से अण्डर 19 छात्रा वालीबॉल टीम भी खेलने हेतु महिला मण्डल स्कूल गई। सभी खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रमेश डांगी का राज्य स्तर पर चयन

61वीं जिला स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता महाराणा भूपाल स्टेडियम में आयोजित हुई जिसमें 400 मी. दौड़, 100 मी. दौड़, भाला फेंक प्रतियोगिताएं रखी गई जिसमें कक्षा-12 कॉमर्स के छात्र रमेश डांगी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भाला फेंक में द्वितीय तथा 400 मी. दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन दोनों ही प्रतियोगिता में उसका राज्य स्तर पर चयन किया गया।

पोस्टर व निबन्ध प्रतियोगिता

पुस्तकालय दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में 8 अगस्त को विद्यालय में कक्षा-6 से 12 हेतु पोस्टर प्रतियोगिता तथा कक्षा-9 व 12 हेतु निबन्ध प्रतियोगिता रखी गई। पोस्टर प्रतियोगिता का विषय "सड़क सुरक्षा" तथा निबन्ध का विषय "पर्यावरण प्रदूषण" रखा गया। निबन्ध की शब्द सीमा 300 शब्द थी। सभी विद्यार्थियों ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने अपने विचारों व अनुभवों को बड़ी ही खूबसूरती के साथ चित्रों व शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में हुनर पण्ड्या, तरूणा डांगी एवं भूमिका पंचोली प्रथम रहे।

वृक्षारोपण के लिए जाते विद्यार्थी

वृक्षारोपण

विद्यालय की बाउण्ड्री वॉल के किनारे वृक्षारोपण किया जिसमें सभी कक्षाओं ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे।

राखियां बनाई

प्राइमरी सेक्शन में विद्यार्थियों ने रक्षा बन्धन त्यौहार के उपलक्ष्य में सुन्दर राखियां बनाई। बच्चों ने अपनी राखियों को कुन्दन, मोती, सितारों तथा रंगबिरंगी लेसों के माध्यम से सजाने का प्रयास किया। प्राइमरी इंचार्ज अनिता भटनागर व अन्य अध्यापकों ने नन्हें-मुन्ने बच्चों का मार्गदर्शन किया।

जन्माष्टमी पर्व मनाया

विद्यालय में जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में प्रत्येक कक्षा ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने श्री कृष्ण पर आधारित कई नृत्य प्रस्तुत किये। कक्षा-11 की छात्रा सुनीता पालीवाल ने कृष्ण के जीवन लीलाओं का वर्णन किया। प्राइमरी सेक्शन के कक्षा-4 व 5 के विद्यार्थियों ने प्राइमरी इंचार्ज शिक्षिका अनिता भटनागर के निर्देशन में श्रीकृष्ण के कालिया नाग मर्दन की कथा को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया। अंत में विद्यार्थियों द्वारा मटकी फोड़ कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

शाला पंचायत का गठन

शाला पंचायत के गठन हेतु चुनाव करवाये गये। सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप अपनाई गई। सर्वप्रथम सभी इच्छुक उम्मीदवारों ने आवेदन भरे। इन सभी उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित कर मत पत्र तैयार किये। भारतीय लोकतंत्र में व्यस्क मताधिकार के गुण को अपनाते हुए कक्षा-6 से 12 तक के विद्यार्थियों को मतदान का अधिकार दिया गया। विद्यार्थियों ने अपने पंसदीदा उम्मीदार को चुनते हुए चुनाव चिह्न पर छाप लगाकर मतपत्र मतपेटी में डाले। विद्यार्थी की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए उसके हाथ पर भी स्याही का निशान लगाया गया। उसके बाद मतगणना की गई। निर्वाचित अध्यक्ष- गिरीश डांगी, उपाध्यक्ष- प्रवीण पटेल, प्रधानमंत्री- विशाल सुथार, कोषाध्यक्ष- भावना पटेल एवं 10 मनोनीत सदस्यों को प्रधानाचार्य द्वारा शपथ दिलाई।

विश्व साक्षरता दिवस मनाया

विश्व साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय की शिक्षिका पुष्पा राजपूत ने विद्यार्थियों को इस दिन के मनाने के कारण तथा महत्त्व से अवगत कराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि वर्तमान में साक्षरता के मायने बदल चुके हैं। अब अक्षर ज्ञान के साथ तकनीकी क्षेत्र में भी साक्षर होना जरूरी है। इसके पश्चात् बड़गांव क्षेत्र में साक्षरता रैली निकाली गई जिसमें कक्षा-9 से 12 तक लगभग 70 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। विद्यार्थियों ने साक्षरता से संबंधित नारे लगाते हुए समाज को साक्षरता के महत्त्व को समझाने का प्रयास किया।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

केवीके का स्थापना दिवस मनाया

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र के स्थापना दिवस पर कक्षा नवीं के विद्यार्थी शरीक हुए। वहां पर उन्हें कृषि तकनीकियों तथा कृषि में उपयोग में आने वाले औजारों से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने डेयरी फार्म में उपस्थित पशुओं की प्रजातियों तथा उनके उत्पादों की जानकारी ली। विशेषज्ञों ने कृषि उत्पादक क्षेत्र में विभिन्न फसलों की प्रजातियों तथा संकर प्रजातियों के बारे में बताया। संस्था प्रधान आनंद जोधा ने नए एक्वा कॉनिक विधि, ग्रीन हाउस, कायिक प्रवर्धन तथा कृषि के चरणों को समझाया।

सरस डेयरी पर औद्योगिक भ्रमण

विद्यालय के कक्षा-12 के विद्यार्थी औद्योगिक भ्रमण पर राजस्थान कॉपोरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (सरस डेयरी) पर गए। वहां वे दूध की पैकिंग, दूध से निर्मित अनेक प्रकार जैसे दही, छाछ, घी व पनीर बनाने के चरणों से रूबरू हुए। विद्यार्थियों ने दूध में मिलावट की जांच हेतु जांच यंत्र भी देखा। डेयरी के मैनेजर से बच्चों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

हिन्दी प्रतियोगिता

हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार के उद्देश्य से विद्यालय में आयोजित हिन्दी प्रतियोगिता में प्रथम से बारहवी तक के 46 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा एवं उससे संबंधित व्याकरणिक दक्षताओं से संबंधित प्रश्नों को हल किया। छोटे बच्चों से व्यावहारिक हिन्दी शब्दों एवं पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछे गए जबकि सीनियर बच्चों से उनके तार्किक एवं साहित्यिक ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

जूडो, कुश्ती में राज्य स्तर पर चयन

जिला स्तरीय कुश्ती में 17 वर्ष वर्ग में छात्र मंजीत पारिक एवं संजय मेघवाल ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए साथ ही खिताब भी जीता। दोनों विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर पर हुआ है। 17 वर्ष वर्ग की जूडों प्रतियोगिता में भेरूसिंह एवं 19 वर्ष वर्ग में छात्र सेजल कुमावत ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। सेजल का चयन राज्य स्तर के लिए हुआ। विद्यार्थियों ने शारीरिक शिक्षक आकाश सिंह से प्रशिक्षण लिया।

विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर प्रस्तुती देते विद्यालय के विद्यार्थी

छात्र कार्यकारिणी शपथ ग्रहण

विद्या भवन ऑडिटोरियम में नवगठित छात्र कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह हुआ। समारोह में हेड बॉय वीरेन्द्र जोशी, हेडगर्ल करिश्मा शेखावत, हेड प्रिफेक्ट परमवीर सिंह, धारिणी जैन, स्पोर्ट्स कैप्टन गरिमा पाटीदार, चर्चित प्रजापत, एडीटर यवी बंसल, सब एडिटर सुशांत जैन, कल्चरल कैटन संजय मालवीया, कार्तिक जोगलेकर ब्लूहाउस कैप्टन असद, उपकप्तान फैजान खान, ग्रीन हाउस कैप्टन तनवी राज जोया, सब कैप्टन मनन सुथार, येलोहाउस कैप्टन मोहित कुमावत, सब कैप्टन प्रियांशी श्रीमाली, रेड हाउस कैप्टन प्रेरणा जॉनी व सब कैप्टन काश्ती मालवीया ने शपथ ली।

बच्चों की समेकित प्रथम परीक्षा

स्थानीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं की कक्षा प्रथम से दसवीं तक समेकित प्रथम (एस. ए.-1) परीक्षा 15 सितम्बर से शुरू हुई। इस वर्ष की पहली बड़ी परीक्षा के प्रति बच्चें खासे उत्साहित दिखे साथ ही उनमें गंभीरता भी दिखाई दी। कक्षा-1 से 5 तक के बच्चों की परीक्षा 15 सितम्बर से 24 सितम्बर 2016 एवं कक्षा एवं कक्षा छठी से दसवीं तक की परीक्षा 15 से 30 सितम्बर तक हुई।

विद्यालय सभागार का नवीनीकरण

स्थानीय विद्यालय में पुराना सभागार अपने नवीन स्वरूप में तैयार हो रहा है। यहां दीवारे, खिड़कियों आदि की मरम्मत हो रही है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु बड़ा मंच बनकर तैयार है। विद्यालय के मध्य में उद्यान भी लगाया गया है। पेयजल के लिए टंकी का निर्माण हो रहा है।

14 वर्ष वर्ग जूड़ों में दो रजत पदक

जिला स्तरीय स्कूली जूड़ो के 14 वर्ष वर्ग की बालिका स्पर्धा में स्थानीय विद्यालय की छात्र सुकीर्ति झाला ने रजत पदक जीता। इसी प्रतियोगिता के 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक स्पर्धा में कक्षा सातवीं के छात्र विक्रम सिंह देवड़ा ने पूर्व नेशनल चैम्पियन मन चौधरी के साथ कड़ा मुकाबला किया एवं विद्यालय के लिए रजत पदक जीता। 14 वर्ष छात्र आयु की कुश्ती प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्रों- अमन खान, मोहित जोशी, विपुल कुमावत ने भाग लिया।

स्टाफ ने लिया पिकनिक का मजा

शहर से सटे अम्बेरी क्षेत्र स्थित मेवाड़ जैव विविधता पार्क में विद्यालय के शिक्षकों ने पिकनिक का लुफ्त उठाया। शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने झूलों, चकरियों का खूब आनन्द लिया। शिक्षकों ने ट्री वाकिंग के रोमांच का मजा लिया।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

हेमन्त नगारची निर्विरोध अध्यक्ष

महाविद्यालय में आयोजित छात्र संघ चुनाव में सभी नियमित विद्यार्थियों ने मतदान किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में सभी व्याख्याताओं ने मतदान सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए इन्तजाम किए। हेमन्त नगारची निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये। उपाध्यक्ष संदीप चौबीसा, महासचिव डिम्पल सुथार, सांस्कृतिक सचिव निशा डांगी चुनी गयी। महाविद्यालय में पहली बार छात्र संघ में तीन लड़कियां चुनी गईं। चुनाव के परिणाम के तत्काल बाद विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलवाई।

कम्प्यूटर विभाग

महाविद्यालय में कम्प्यूटर विभाग के विद्यार्थियों के लिए अतिथि व्याख्यान आयोजित किया जिसके तहत एनआईआईटी के तरूण एवं विद्या ने विद्यार्थियों को मुख्य रूप से बैंकिंग तथा आर्थिक क्षेत्रों में आई.टी. की भूमिका एवं उसके लिये तैयारी पर चर्चा की।

कम्प्यूटर विभाग में कम्प्यूटर क्विज प्रतियोगिता 3 राउण्ड में 10 टीमों के मध्य आयोजित हुई जिसमें 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

हिंदी को अस्मिता का प्रश्न न बनाएं

भाषा अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है, किन्तु आजादी के पश्चात हुए परिवर्तनों ने हिंदी भाषा को अस्मिता का प्रश्न बना दिया है। भाषा को लेकर उत्पन्न विवाद सभ्यता पर संकट उत्पन्न करते हैं। अतः विचारों में सामंजस्यता लाते हुए सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए साथ ही अपनी भाषा को भी विकसित करना चाहिए। उक्त विचार विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो. माधव हाड़ा ने व्यक्त किए। प्रो. हाड़ा ने कहा कि बाजारवाद के इस दौर में आज हिंदी सम्पर्क भाषा बन चुकी है। सम्प्रेषण के लिए एक सामान्य भाषा की सभी को जरूरत है। इसमें हिंदी का अपना विशिष्ट महत्व है। अतः ऐसे कोई प्रयास नहीं होने चाहिए जो भावाभिव्यक्ति को कुंठित कर दें।

इससे पूर्व हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सरस्वती जोशी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी सप्ताह के तहत हुई विविध प्रतिस्पर्धाओं का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. शर्मा ने बताया कि आज के दौर में किसी भाषा से परहेज नहीं रखना चाहिए, किन्तु हमें अपनी मातृ भाषा में अपने विचार अभिव्यक्त करना चाहिए, क्योंकि इससे व्यक्त करना और समझना दोनों ही सहज रहता है। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रक्षा गोदावत ने दिया। डॉ. अर्चना जैन, डॉ. रतन लाल सुथार, डॉ. विकास बया, डॉ. परस राम तेली, डॉ. समीर व्यास, डॉ. कंचन पानेरी, डॉ. सबा खान, डॉ. मनीष रावल, नंदिनी सिंह, लक्ष्मण सिंह, लक्ष्मी दुलावत सहित कई संकाय सदस्य और अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज राजगुरु ने किया।

जैव विविधता पर पोस्टर प्रतियोगिता

जीव विज्ञान विभाग में जैव विविधता एवं संरक्षण पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने जैव विविधता पर मण्डराने वाले खतरे एवं उनके संरक्षण पर पोस्टर बनाए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भूपेन्द्र सिंह चौहान एवं समूह, द्वितीय स्थान प्रदीप पंचाल एवं समूह, तृतीय स्थान संदीप गरासिया एवं समूह ने प्राप्त किया। मॉडल निर्माण में कल्पना कुमावत एवं समूह प्रथम रहे।

बाबूलाल द्वितीय

एम.एससी के विद्यार्थी बाबूलाल डांगी ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बाबूलाल का गुजरात की कम्पनी अमोली ऑरगैनिक प्राइवेट लिमिटेड में रिसर्च एवं डव्लप्मेन्ट में प्रशिक्षु के पद पर चयन हुआ है।

पर्सनेलिटी विकास पर चर्चा

टाइटेनियम ग्रुप एवं मेवाड़ कम्प्यूटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में वक्ता मुकेश जनावा ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी पर्सनेलिटी का भी विकास करने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में अंग्रेजी भाषा की महत्ता कम्प्यूटर की जानकारी तथा बोलने तथा कपड़े पहनने आदि के तरीकों पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की।

व्याख्यान

डॉ0 इन्दु कोठारी ने फंडामेंटल्स ऑफ इलेक्टॉमेगनेटिक पर व्याख्यान दिया। उन्होंने तृतीय वर्ष तथा एम.एससी. के विद्यार्थियों को यूवी रेज़ की प्रकृति व स्पेक्ट्रा के सिद्धांतों की जानकारी दी।

बजट मिटिंग

नवनियुक्त छात्रसंघ कार्यकारिणी तथा अधिष्ठाता लक्ष्मण सिंह राजपूत, सहअधिष्ठाता, डॉ. सुषमा जैन, डॉ. सबा खान तथा महाविद्यालय के निदेशक डॉ. टी. पी. शर्मा की अध्यक्षता में मिटिंग आयोजित कर सत्र 2016-17 के लिए बजट का निर्धारण किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि कुल 202500/- रूपये विभिन्न कार्यक्रमों में खर्च किए जाएंगे।

टीचर डे सेलिब्रेशन

5 सितम्बर को छात्र संघ अध्यक्ष हेमन्त नगारची, उपाध्यक्ष संदीप चौबीसा तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्यों के द्वारा टीचर तथा अन्य संस्था कर्मचारियों को माला व नारियल देकर सम्मान किया गया। छात्र संघ सदस्यों ने सभी गुरुजनों का आशीर्वाद लिया तथा उनके निर्देशन में रह कर महाविद्यालय की प्रगति के लिए कार्य करने का वचन दिया।

शेष पृष्ठ 7 पर...

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

फोटोग्राफी प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि

बिना हुनर व ज्ञान के इंजीनियर

पूर्व विद्यार्थी संस्था, पॉलिटेक्निक, आई. एस.टी.ई. व आई.ई.आई. विद्यार्थी चेप्टर्स, के संयुक्त तत्वावधान में अभियन्ता दिवस पर इंजीनियरिंग शिक्षा के गिरते स्तर पर परिचर्चा हुई। परिचर्चा में यह बात उभरी कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं में आधारभूत समझ व हुनर की कमी के साथ लिखने, संवाद करने व अभिव्यक्त करने की न्यूनतम क्षमता है। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने कहा कि हुनर रहित अभियन्ता "मेक इन इंडिया" तथा "स्किल इण्डिया मिशन" में बाधक है। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा प्रणाली व मूल्यांकन को इतना आसान बना दिया गया है कि बिना हुनर व ज्ञान के इंजीनियर बना जा सकता है। परिचर्चा में इसके पीछे अन्तर्राष्ट्रीय षडयंत्र की आशंका व्यक्त की गई। इस मौके पर "मैं बनाऊँगा भारत को स्वच्छ" विषयक पोस्टर प्रतियोगिता में मनीला चौहान व "इंजीनियरिंग शिक्षा का गिरता स्तर" आलेख में शिवदत्त बोराणा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। "शहर में बने बेतरतीब रेंप" विषय पर फोटोग्राफी प्रदर्शनी भी लगाई गई। अभिषेक लोढ़ा के फोटोग्राफ को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला।

सीखे स्टार्टअप के गुर

पॉलिटेक्निक में मेल-जोल मेले का आयोजन हुआ। मेले में विद्यार्थियों तथा संस्था स्टाफ ने खाने-पीने की वस्तुओं सहित विविध स्टॉल लगाई जिसका मेलार्थियों ने आनन्द लिया। मेले का उद्देश्य मनोरंजन, नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत, परस्पर मेल-जोल सहित व्यापार के गुणों को सिखाना था। विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने स्टॉल की बिजनेस मोड में प्लानिंग की। एक स्टार्टअप में नवाचार से लेकर निर्माण, प्रबंधन एवं विपणन (मार्केटिंग) तक आवश्यक चरणों को आधार बनाकर स्टॉल पर वास्तविक व्यापार का प्रयोग किया गया।

सेप्टिक टेंक यूजर मेन्यूअल

पॉलिटेक्निक ने सेन्टर फॉर पॉलिसी, नई दिल्ली के साथ मिलकर उदयपुर नगर निगम के लिए सेप्टिक टेंक यूजर मेन्यूअल तैयार किया है। मेन्यूल को नगर निगम ने पूरे उदयपुर में लागू करने के लिए स्वीकार कर लिया है।

अधिकारियों को प्रशिक्षण

आई.ए.ए.एस. अधिकारियों की राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता ने दो सत्रों में झील एवं जल संरक्षण पर सत्र लिया। कार्यशाला आई.सी.ई.डी., कम्पट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल ऑफ इण्डिया (केग) के इन्टरनेशनल सेन्टर फॉर एनवायरमेन्टल ऑडिट एण्ड सस्टेनेबल डवलपमेन्ट द्वारा आयोजित की गई थी।

कम्यूनिटी डवलपमेन्ट

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वरोजगार व नौकरी प्राप्त करने के लिए पॉलिटेक्निक में संचालित कम्युनिटी डवलपमेन्ट थ्रू पॉलिटेक्निक (सी.डी.टी.पी. स्कीम) के तहत संस्था में 265 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। स्कीम के तहत डाटा एन्ट्री ऑपरेटर (कम्प्यूटर), हाउस वायरिंग, मोटर वाइंडिंग, ए.सी. एवं रेफ्रिजरेशन रिपेयरिंग, ब्यूटी कल्चर व फोन एवं मोबाईल रिपेयरिंग के 6 माह के निःशुल्क प्रशिक्षण प्रारम्भ किए।

वॉलीबॉल मैच का आयोजन

महाविद्यालय में 12 विद्यार्थी टीमों के बीच वॉलीबॉल के लीग मैच आयोजित किए गए। मैच में विजयी छः टीमें फाइनल में भाग लेंगी।

स्नेक केचर को स्टिक भेंट

महाविद्यालय के विद्यार्थी मयंक कुमावत को विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने सांप पकड़ने का यंत्र "स्नेक केप्चर स्टिक" भेंट किया। मयंक सांपों को पकड़ उन्हें सुरक्षित वन विभाग को सौंपकर समाज की सेवा कर रहे हैं।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

...पृष्ठ 6 का शेष

कॉमर्स विभाग

- अगस्त माह में ललित एवं समूह द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई। जिसमें उन्होंने वर्तमान परिपेक्ष में मानवीयता सम्बन्धों के बीच उपज रहीं दूरियां, ईष्या एवं एकांकी परिवार जैसी समस्याओं पर प्रकाश डाला एवं उन्हें दूर करने के उपाय बताये।
- सितम्बर में कॉमर्स तथा आर्ट्स के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय ऑरियन्टेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें अजय एस. मेहता ने छात्रों से वार्तालाप किया एवं आगामी समय में विद्या भवन को कैसा देखना चाहते है इसकी जानकारी ली।
- 27 सितम्बर को फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये तथा विभिन्न खेल खेले। अच्छी प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को पुरुस्कार भी दिए गए।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

औषधीय पौधों का रोपण

गुरुनानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनसीसी व एन.एन.एस की करीब 70 छात्राओं ने केन्द्र पर 100 औषधीय पौधे रोपे। इनमें गुगल, बिलपत्र, अुर्जन आंवला, गुलर, नीम, हवन, चिरमी, कन्जी पारसपोपल, जामुन आदि जाति के पौधे शामिल थे। पौधारोपण डब्ल्यूडब्ल्यूएफ उदयपुर के प्रभारी अरुण सोनी एवं हनुमान सिंह पहुआ के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर एनसीसी 5 राज.कन्या बटालियन की केप्टन निशा शर्मा, महाविद्यालय के अध्यक्ष चिरंजीव गेदेवाल, सचिव अमरपाल सिंह, प्राचार्य डॉ. नरपत सिंह राठौड़, एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेन्ट रेखा पालीवाल तथा एनएसएस प्रभारी अनीता चौबीसा ने छात्राओं को वृक्षों का महत्व तथा होने वाले फायदे को बताया। कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ. आनन्द सिंह जोधा ने ट्रेकिंग करवाई।

तितलियों का अध्ययन शिविर

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र भीलों का बेदला पर एक दिवसीय नेचर कैम्प विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के साथ सम्पन्न हुआ। कैम्प में विद्या भवन बेसिक स्कूल के कक्षा 6 से 8 तक के 56 विद्यार्थियों ने प्राचार्य ई.एच. काजी के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के पक्षियों, वनस्पतियों और तितलियों का अवलोकन किया। पक्षी विशेषज्ञ चन्द्रवीर सिंह के नेतृत्व में ट्रेकिंग की। उन्होंने विभिन्न प्रकार के पक्षियों की पहचान, उनके स्वभाव के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों को फेनटल, जंगली वेबलर, मुनियां, फ्लाई केचर, रेड माउथ वलचर, सीकरा व अन्य पक्षियों को पहचान कर विद्यार्थियों को जागरूक किया। केन्द्र पर करीब 100 विभिन्न प्रकार के स्थानीय और प्रवासी पक्षी की सूची तैयार कर सभी को अवगत कराया। केन्द्र प्रभारी डॉ. आर एल. श्रीमाल ने विद्यार्थियों को विभिन्न वनस्पति एवं उनकी औषधीय उपयोगिता बताई।

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

समस्याओं पर मंथन

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र पर 5 कार्यकर्ताओं के पुनश्चर्या प्रशिक्षण, 2 सहायिकाओं के पुनश्चर्या प्रशिक्षण व 1 कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में सिरोही व उदयपुर जिले की कुल 302 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों को विषय-वस्तु की जानकारी के साथ ही उनके कार्य संचालन में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की गई व समाधान हेतु सुझाव दिए गए।

प्रशिक्षण में भागीदारी

केन्द्र की अनुदेशिका मधु धायभाई ने जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महिला प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण का विषय प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा हेतु गतिविधि मार्गदर्शिका एवं आंकलन प्रपत्र के आधार पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महिला पर्यवेक्षक के इसमें उपयोग सम्बन्ध में दिए जाने वाले प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार करने पर था। अनुदेशिका मधु धायबाई ने राजस्थान प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा कार्यक्रम के "आंगनवाड़ी पाठशाला" पायलेट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जयपुर में समेकित बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण में भी भाग लिया। पूरे राजस्थान के 304 परियोजनाओं की 4200 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को इसमें शामिल किया जाएगा। कार्यशाला का नेतृत्व आई.सी.डी.एस. जयपुर के निदेशक डॉ. समीर शर्मा ने किया।

"ये हौसलों की ऊड़ान है"

लगभग 21 वर्ष पूर्व केन्द्र से प्रशिक्षण लेकर गई शारदा सोयारत एक बार पुनः पुनश्चर्या प्रशिक्षण में आई। शारदा ने अपने मन की बात केन्द्र पर स्टाफ के साथ साझा की और मदद मांगी। परिवार की आपसी लड़ाई में शारदा के आवश्यक दस्तावेज प्रमाण-पत्र, फोटो सभी जला दिए गए थे। केन्द्र ने डुप्लीकेट प्रमाण-पत्र देकर उसकी सहायता की। शारदा गरीब है तथा उसके पांच बच्चे हैं। वह बचपन से ही भूख व गरीबी से झूझती रही है किन्तु हमेशा हंसमुख, स्वयं का दर्द छिपाकर दूसरों का दुख बांटने का प्रयास करती है। अपने व्यवहार से वह गांव के लोगों तथा स्थानीय केन्द्र के कर्मचारियों की चहेती बन गई है।

डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स ग्रुप प्रशिक्षण

केन्द्र की अनुदेशिका वर्षा चौधरी ने जयपुर में आयोजित दो दिवसीय आईसीडीएस सिस्टम सिट्रेन्दनिंग एंड न्यूट्रेशन इंप्रूवमेंट प्रोग्राम के तहत डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स ग्रुप के प्रशिक्षण में भाग लिया।

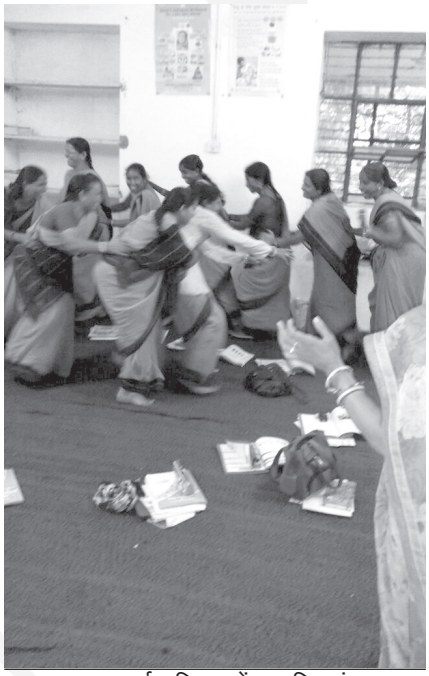

पुनश्चर्या प्रशिक्षण में सहायिकाएं

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

www.vbgstc.org

शिक्षक शिक्षा पर वार्ता

शिक्षा का ध्येय ज्ञान देना है, परन्तु वह ज्ञान व्यवहार में परिलक्षित नहीं होता है तो शिक्षा के ध्येय की पूर्ति नहीं हुई है। ज्ञान प्राप्ति एवं चरित्र निर्माण से आदर्श व्यक्तित्व बनता है। यह विचार सेवानिवृत्त प्रोफेसर वनस्थली विद्यापीठ प्रोफेसर गोपीनाथ शर्मा ने विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय के सेवा प्रसार में "शिक्षक शिक्षा : विगत, वर्तमान और भविष्य" विषय पर वार्ता में व्यक्त किया। प्रो. शर्मा ने वैदिक, जैन, बौद्ध, मुस्लिम, ब्रिटिश एवं वर्तमान शिक्षा प्रणाली शिक्षक शिक्षा का विश्लेषण प्रस्तुत कर भविष्य में शिक्षक शिक्षा की स्थिति पर चर्चा की।

हिन्दी दिवस पर कार्यशाला

महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में संवाद लेखन व अभिनय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बी.एड. व एम.एड. के प्रशिक्षणार्थियों ने अंध विश्वासः एक कुप्रथा, स्वच्छ भारत अभियान, कन्या भ्रूण हत्या, बालश्रम, भ्रष्टाचार उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण विषयों पर संवाद लेखन किया।

विद्यार्थियों के स्वयं सीखने के अवसर

एक शिक्षक का कार्य कक्षा में विद्यार्थियों के स्वयं करके सीखने के अवसरों का निर्माण करना है क्योंकि शिक्षक द्वारा व्याख्यान रूप में पढ़ाया गया ज्ञान स्थायी नहीं होता है। यह विचार डॉ. अरविन्द आशिया ने विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में आयोजित संकाय सदस्यों की संबंलन कार्यशाला में व्यक्त किए। चर्चा में महाविद्यालय के प्रो. एम.पी. शर्मा ने कहा कि शिक्षक कक्षा में तभी क्रियाशील गतिविधियां करवा सकता है जब वह अपने विषय को अच्छी तरह समझता हो। साथ ही प्रकरण को पढ़ाने से पूर्व उस विषय के आधारभूत उद्देश्यों को जानता हो। सीटीई प्रभारी प्रो. सुषमा तलेसरा ने शिक्षकों द्वारा कक्षा में कंस्ट्रक्टीविस्ट अप्रोच तथा अभिव्यक्ति को प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए उदाहरण, तुलना, विश्लेषण समूह चर्चा जैसी नवीन एवं क्रियाशील विधियों के नियमित प्रयोग पर बल दिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय सिंह मेहता ने कहा कि हमारे देश की शैक्षणिक व्यवस्था कमजोर है और देश कई समस्याओं का सामना कर रहा है। विद्या भवन सभी समस्याओं का समाधान तो नहीं कर सकता लेकिन शैक्षणिक क्षेत्र में अच्छा एवं प्रभावी योगदान जरूर दे सकता है। अजय सिंह मेहता ने महाविद्यालय में आयोजित 70वें स्वाधीनता दिवस समारोह को संबांधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्या भवन ने शैक्षणिक जगत में छाप छोड़ी है। जरूरी यह है कि आज जो चुनौतियां हैं उसको कैसे हम छोटे-छोटे प्रयास एवं काम करते हुए आगे बढ़ सकते हैं।

शिक्षा में गुणवत्ता की प्रगति पर चर्चा

महाविद्यालय में शिक्षा में गुणवत्ता की प्रगति पर चर्चा की गई। चर्चा में महाविद्यालय की सीटीई इंचार्ज प्रो. सुषमा तलेसरा, प्रो. एम. पी. शर्मा तथा सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। चर्चा में प्रो. सुषमा तलेसरा ने कहा कि बी.एड. एवं एम.एड. में की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों को व्यावहारिक बनाते हुए शिक्षा के विभिन्न नए पहलुओं के साथ प्रभावी नियोजन किया जाना चाहिए। प्रो. एम. पी. शर्मा ने कहा कि विद्या भवन को अन्य महाविद्यालयों एवं विद्यालयों की आवश्यकताएं पता करनी चाहिए ताकि यहां तैयारी कर उन्हें उचित शैक्षिक संबंलन दिया जा सके। इस मौके पर संकाय सदस्यों ने भी सुझाव रखे तथा अनुभव प्रस्तुत किए।

अध्यापकों ने देखा वर्षा मापी यंत्र

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में केन्द्र प्रवर्तित योजना के तहत आयोजित सात दिवसीय सामाजिक विज्ञान के प्रशिक्षण में शनिवार को वरिष्ठ अध्यायकों ने

वर्षा मापी यंत्र से वर्षा रिकॉर्ड करते अध्यापक

महाविद्यालय में स्थिति मौसम प्रेक्षण शाला का अवलोकन किया। प्राध्यापक गिरीश शर्मा ने मौसम संबंधी आंकड़ों को रिकॉर्ड करना बताया तथा मौसम के विभिन्न उपकरणों उच्चतम-न्यूनतम, आर्द्र-शुष्क एवं साधारण तापमापी, आर्द्रता मापी, वायुदाब मापी, वायु दिशा सूचक यंत्र, वर्षा मापी यंत्रों का प्रदर्शन किया। अध्यापकों ने उपकरणों की कार्यप्रणाली सीखी। वरिष्ठ अध्यापकों ने मौसम संबंधी विभिन्न अवधारणाओं को भी समझा। प्रशिक्षण में कोटा, बूंदी, झालावाड़ प्रतापगढ़ और उदयपुर जिले के 16 वरिष्ठ अध्यापकों ने भाग लिया।

अच्छे विचारों को जीवन में उतारें

आज हमने प्रकृति को बिगाड़ा है। इसे सुधारने का काम भी हमें ही करना होगा। बी. एड. के छात्रध्यापक इस संकट से उबरने में हमारी मदद कर सकते हैं। इसके लिए जो कुछ हम करना चाहते हैं उसकी व्यावहारिक व्यवस्थाएं बनानी होंगी। ये बात विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने रोटरी क्लब और वन विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय वृक्षा रोपण अभियान के उद्घाटन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि हमें यह कोशिश करनी होगी कि बच्चों को कैसे मौका मिले कि वे हमारी बात को जीवन में उतारे। हम हमारे छात्रों के लिए मिसाल बनें। इस मौके पर वन विभाग की ओर से वितरित 100 पौधे महाविद्यालय में रोपे गए।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

स्कूलों में विविधता पर जोर

विद्या भवन सोसायटी ऑफिस में सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता की अध्यक्षता में "कॉमन कम्यूनिकेशन स्ट्रेटजी फॉर विद्या भवन स्कूल्स" समिति की चौथी बैठक हुई। बैठक में विद्या भवन के स्कूलों में प्रवेश की रणनीति, विद्यार्थियों की विविधता बढ़ाने और स्कूलों की मार्केटिंग करने संबंधी मुद्दों पर फीडबैक लिया गया साथ ही यह बैठक मुख्य रूप से विद्या भवन के स्कूलों में विविधता पर केन्द्रित रही। जिसमें जेण्डर संवेदनशीलता का भी ध्यान रखा गया। बैठक में अजय मेहता ने सुझाव दिया कि ड्रापआउट के संबंध में विद्या भवन की फैकल्टी रिसर्च करें।

संस्थाओं में बने सामूहिक विचार

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय के यूजीसी हॉल में "कॉमन कम्यूनिकेशन स्ट्रेटजी फॉर विद्या भवन स्कूल्स" समिति की पांचवीं बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से दो मुद्दों पर चर्चा हुई पहला विद्या भवन की शिक्षण संस्थाओं में भिन्न समुदाय के विद्यार्थी हों, विविधता हो। दूसरा, पूरे विद्या भवन के छात्रों का एक-दूसरे से कैसे मिलन हो? कैसे एक सामूहिक विचार बने। हरेक संस्था के अंदर ऐसी कौनसी गतिविधियां कर सकते हैं जो विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ उनकी क्षमता और रुचि को भी बढ़ावा दे। कैसे हमारी कैंपस लाइफ, अध्यापक-विद्यार्थी के लिए और रोचक बन सके।

युवाओं को जोड़ें पुस्तकालय से

भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की 124वीं जयंन्ती पर विद्या भवन और सेवा मंदिर की ओर से पुस्तकालय दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि हिन्दुस्तान जिंक की सी.एस.आर. की उपाध्यक्ष नीलिमा खेतान ने कहा कि पुस्तकालय का निर्माण भविष्य की पीढ़ी का निर्माण है। पुस्तकालय को बनाने में असीम स्नेह और पाठक के प्रति आदर होना चाहिए। पुस्तकालय से बालकों और युवाओं को जोड़ने की जरूरत है। विद्या भवन अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने कहा कि व्यक्ति को स्वायत्त बनाने में पुस्तकों की बड़ी भूमिका है।

पूर्व अध्यापकों का सम्मान

पूर्व अध्यापक सम्मानित

विद्या भवन सोसायटी में पहली बार सोसायटी स्तर पर अध्यापक दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर विद्या भवन शिक्षण संस्थाओं के सेवानिवृत 70 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 19 अध्यापकों को सम्मानित करने हेतु निमंत्रण दिया गया। इनमें से डॉ. ए.बी. फाटक, डॉ. वीवी सिंह, डॉ. कय्यूमअली बोहरा, पुष्पा शर्मा, रशिदा बानू, सकिना बानू तथा वीना केसरी ने भाग लिया। सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष रियाज तहसीन ने सभी का सम्मान किया। संस्थाओं के शिक्षकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अन्य सात अध्यापकों गोविन्द मेनारिया, बी.के शर्मा, गणेशलाल जैन, जयकिशन रेबारी, सरदारसिंह देवड़ा, वेददान सुधीर, वीरेन्द्र सिंह तथा बीएन भटनागर को जो समारोह में उपस्थित नहीं हो सके उन्हें जाहिद मोहम्मद, अधिशासी अधिकारी (मानव संसाधन एवं विधि) एवं एच.आर. भाटी, सम्पदा अधिकारी ने उनके घर जाकर व्यक्तिगत रूप से भेंट कर सम्मानित किया।

कर्मचारी नियोजन

विद्या भवन सोसायटी द्वारा संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थाओ में निम्नलिखित कर्मचारियों का कर्मचारी चयन समिति द्वारा चयन किया गया। इनमें एकता नागदा, अंशिका राचेदनाथ पब्लिक स्कूल, प्रियंका सोलंकी, पल्लवी शर्मा, खुशकुंवर डोडीया, प्रियंका नन्दावत, आकाश जोशी हनुमंत सिसोदिया, वीना औदिच्य, महेश सालवी, सीनियर सैकण्डरी रामगिरी, रक्षा गोदावत, डॉ. ज्योत्सना सालवी, डॉ. शबाना बानू, डॉ. अंजना रावल, डॉ. अबरार अहमद, डॉ. पूनम शर्मा, दिनेशचन्द्र मीणा, मयंक, नीरू श्रीमाली, प्रहलाद धाकड़, स्वाति व्यास, श्यामली बारेगामा विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, स्वाति भटनागर, सीनियर सैकण्डरी स्कूल, फतहपुरा, जयमाला जैन, सुनिता पारीख शिक्षा संदर्भ केन्द्र शामिल हैं। इनमें 15 कर्मचारियों का संविदा तथा 6 का स्थायी-परीविक्षा में चयन हुआ।

उर्दू भाषा कोर्स

अंजुमन तरक्कीए उर्दू (हिन्द) दिल्ली की उदयपुर शाखा की अध्यक्षा डॉ. सरवत खान, उर्दू विभागाध्यक्षा, मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर ने अध्यक्ष विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र उर्दू भाषा सिखाने के लिये कक्षा का आयोजन किया। डॉ. सरवत खान ने डेढ़ माह में लगभग 70 गैर उर्दू भाषी व्यक्तियों को उर्दू सिखाई। अधिकांश व्यक्ति 45 वर्ष से अधिक की आयु के थे।

पदोन्नति

डॉ. मनीषा शर्मा तथा डॉ. जेहरा बानू, विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय को उनकी शैक्षणिक योग्यता, अनुभव एवं कार्य कुशलता को ध्यान में रखते हुए, अध्यक्ष विद्या भवन सोसायटी ने रीडर के पद पर पदोन्नति स्वीकृत की है। पुरुषोत्तम पालीवाल पूर्व मे सहायक के पद पर कार्यरत थे। इनकी शैक्षणिक योग्यता एवं विद्या भवन के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए कर्मचारी चयन समिति की अनुशंशा को अनुमोदित करते हुए विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष ने कार्यालय सहायक के पद पर पदोन्नति दी है।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

नए विद्यार्थियों का प्रवेश

सत्र 2016-17 की प्रवेश प्रकिया तीन चरणों में सपन्न हुई। आवंटित 100 सीटों में से 95 विद्यार्थियों के बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हुए। कला संकाय में 65, विज्ञान संकाय में 23 एव वाणिज्य संकाय में 7 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।

पुस्तकालय दिवस में शिरकत

महाविद्यालय की पुस्तकालय प्रभारी शारदा पानेरी ने विद्या भवन तथा सेवा मंदिर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पुस्तकालय दिवस में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीलिमा खेतान व मुख्य वक्ता विज्ञान महाविद्यालय के पी.एस. राजपूत व आई आई एम. के डॉ अरविन्द थे ।

हिरोशिमा दिवस पर दी श्रृदांजलि

महाविद्यालय के गांधी शांति प्रतिष्ठान द्वारा हिरोशिमा दिवस पर श्रृद्धांजलि दी गई। प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा ने हिरोशिमा दिवस के घटनाक्रमों का मार्मिक चित्र प्रस्तुत किया। सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि युद्ध के परिणामों का अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में सोचकर शांति स्थापना के लघु स्थानिक प्रयास जरूरी है। मुख्य वक्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल गुमान सिहं राव, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, उदयपुर संभाग ने हिरोशिमा दिवस के समय के भौगोलिक, राजनैतिक परिदृश्य को प्रस्तुत करते हुए कहा कि गलतियों से सबक लेने के लिए हर पीढ़ी को विश्व इतिहास व भूगोल जानना आवश्यक है। विद्या भवन सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष रियाज तहसीन ने भी विचार रखे। प्रो. एम.पी. शर्मा ने शिक्षा के माध्यम से शांति की नींव स्थापित करने का आग्रह किया। कला संस्थान की प्राध्यापिका मीना कालरा तथा विद्यार्थी ओमसिंह ने जापान की त्रासदी पर स्वरचित कविता पढ़ी।

युवा की भूमिका

महाविद्यालय की प्राध्यापिका अरुणा माथुर ने विद्यार्थियों में लेखक के विचारों को समझने से संगठित करने और चिंतन करने के उद्देश्य से प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए "गांवों के सशक्तीकरण में युवाओं की भूमिका" पर समूह चर्चा का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने रोजगार समाचार में प्रकाशित अरुण तिवारी के इसी विषय पर आधारित लेख को पढ़ कर समूह चर्चा में भाग लिया। यह गतिविधि नए विद्यार्थियों के संकोच को दूर कर उनकी अभिव्यक्ति में सहायक रहीं।

भाषा अनुवाद कार्यशाला

महाविद्यालय की प्राध्यापिका अरुणा माथुर व डॉ कुमुद पुरोहित ने विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र द्वारा आयोजित भाषा अनुवाद कार्यशाला में भाग लेकर अपने अनुवाद अनुभवों को साझा किया।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस

महाविद्यालय के गांधी शांति प्रतिष्ठान केन्द्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर वार्ता का आयोजन किया। ब्रह्म कुमारी आध्यात्मिक विश्व विद्यालय, उदयपुर केन्द्र की रीता बहन ने बताया कि कैसे हम स्वयं के दैनिक लघु कृत्यों द्वारा शांति को स्थापित कर सकते हैं। वार्ता के बाद प्रश्नोत्तर सत्र में रीता बहन ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं व समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया ।

स्वाध्याय युवाओं का स्वकेन्द्रित नाट्य

महाविद्यालय के पूर्व छात्र ललित चौबीसा एवं उनके दल (स्वाध्याय परिवार के युवा) द्वारा महाविद्यालय में प्रथम वर्ष विद्यार्थियों हेतु नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक वर्तमान स्व केन्द्रित सोच पर एक कटाक्ष था। नाटक के बाद बदलते परिदृश्य और युवाओं की भूमिका पर चर्चा हुई ।

अभिनवन एवं सैद्धांतिक कार्यक्रम

प्रथम वर्ष के नवागंतुको के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विद्या भवन के बारे में बताया। संकाय सदस्यों ने सत्र पर्यन्त चलने वाले पाठ्यक्रम के उद्देश्यों, शैक्षिक, सहशैक्षिक गतिविधियों के बारे में बताया। इसी के साथ प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष के लिए सैद्धांतिक कक्षाएं प्रारम्भ हुई ।

विश्वविद्यालयी प्रायोगिक परीक्षा

सितम्बर में सत्र 2015-16 के विद्यार्थियों के लिए मोहनलाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय की प्रायोगिक परीक्षाएं हुई। विद्यार्थियों ने रात्रि भोजन का शरीर पर प्रभाव, पेड़ों की पुनर्स्थापना, प्रवाल भित्तियों बिबलियोथैरेपी पुस्तक चिकित्सा पशु रोग केरिकेचर निर्माण होब्स की राजनैतिक विचारधारा जैसे विषयों पर पाठ प्रस्तुत किया ।

एकल गान व पल्लवन प्रतियोगिता

महाविद्यालय में आयोजित एकल गान में प्रथम वर्ष के नरेन्द्र राठौड़ प्रथम रहे। प्रतियोगिता में सुन्दर गमेती द्वितीय तथा गीता मेघवाल तृतीय स्थान पर रही। विद्यार्थियों में विचार क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पल्लवन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'शांति स्थापित करने में युवाओं की भूमिका विषय पर विचार लिखें ।

विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता

महाविद्यालय के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष विद्यार्थियों के लिए विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने स्टेच्यु ऑफ लिबर्टी, जवाहरलाल नेहरू, गाडोलिया लौहार, बाजीराव, नरेन्द्र मोदी, चनाजोर गरम वाला बन कर स्वयं को प्रस्तुत किया। द्वितीय वर्ष की नेहा श्रेष्ठ व दिव्या आहाड़ा प्रथम, प्रथम वर्ष के योगेश श्रीमाली, लक्ष्मी नगारची द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक सिक्योर मीटर्स के नरेन्द्र शर्मा, फर्ग्युसन महाविद्यालय, पूना की व्याख्याता शैला चक्रनारायण एवं डॉ. सरिता जैन थे। आशुभाषण में चन्द्र प्रकाश प्रथम, हीरालाल व लक्ष्मी कुम्हार द्वितीय व खेमराज मेघवाल व प्रीतम राठौड़ तृतीय रहे।

व्यक्तित्व उन्नयन कार्यशाला

सिक्योर मीटर्स की ओर से बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व उन्नयन कार्यशाला में शिवानी सिंघल ने अपने धारावी कच्ची बस्ती के अध्यापन अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

नवीन प्रशिक्षणार्थियों का प्रवेश

सत्र 2016-17 में प्रथम वर्ष में नवीन प्रवेश के अन्तर्गत प्रथम काउन्सलिंग में राज्य सरकार द्वारा आवंटित 50 सीटों में से 42 छात्रों ने तथा द्वितीय कॉन्सलिंग के दौरान 08 छात्रों ने रिपोर्टिंग की गई। संस्थान द्वारा राज्य सरकार द्वारा आवंटित सभी 50 सीटों पर नवीन प्रवेश का कार्य सम्पादित कर नवीन प्रवेश का कार्य पूर्ण कर प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष हेतु नियमित कक्षाएं प्रारंभ की गई।

श्रमदान में भागीदारी

उदयपुर जिलाधीश महोदय द्वारा क्लीन उदयपुर के अन्तर्गत दिनांक 14 व 15 जुलाई 2016 को विद्या भवन सोसायटी के आदेशानुसार सोसायटी परिसर के बाहर स्थित गार्डन की साफ-सफाई, रंग-रोगन हेतु संस्थान के छात्रों ने सहयोग प्रदान किया।

एसटीसी संयुक्त इकाई में शामिल

विद्या भवन कला संस्थान सत्र 2016-17 से विद्या भवन गांधीयन शिक्षण संस्थान रामगिरी के साथ कम्पोजिट यूनिट के रूप में संचालित होगी। विद्यार्थी शिक्षकों व विद्यालय के स्टाफ के सहयोग से संस्थान की सामग्री को सुनियोजित एवं व्यवस्थित रूप से नवीन परिसर में स्थानान्तरित किया गया तथा नवीन परिसर कक्षाएं नियमित रूप से प्रारंभ हुई।

नवीन परिसर में स्थानान्तरित होने के बाद नवआगन्तुक स्वागत समारोह एवं नवीन परिसर में वृक्षारोपण किया गया। मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के अध्ययक्ष अजय सिंह मेहता थे। विशिष्ट अतिथि विद्या भवन गांधीयन शिक्षा संस्थान, रामगिरी संयुक्त इकाई की प्राचार्या डॉ. सुगन शर्मा थीं एवं अध्यक्षता विद्या भवन कला संस्थान के प्रभारी हेमन्त त्रिवेदी ने की। द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों ने प्रथम वर्ष के छात्रों का तिलक एवं लच्छा बांधकर स्वागत किया। अतिथियों ने परिसर में वृक्षारोपण किया। संस्थान की व्याख्याता मीना कालरा ने महाविद्यालय को माईक सेट उपहार में दिया।

वार्षिक प्रायोगिक परीक्षाएं

प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की क्रियात्मक परीक्षा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नीमच खेड़ा में सम्पादित हुई। परीक्षा में 90 छात्र सम्मिलित हुए। विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा नवीन सामयिक प्रकरणों पर बेहतरीन पाठ योजनाएं प्रस्तुत की। विद्यार्थी शिक्षकों ने सहायक सामग्री के रूप में चार्ट, मॉडल, लपेटफलक, लेपटॉप व विभिन प्रकार के आकर्षक गतिविधि प्रपत्रों के माध्यम से पाठ प्रस्तुतीकरण किया। बाह्य परीक्षक प्रत्येक विषय की कक्षानुसार कुछ छात्रों की पाठ योजना डायरी की छाया प्रति अपने साथ ले गए।

विद्यालय अवलोकन

संस्थान के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का विद्यालय अवलोकन कार्यक्रम राजकीय एवं निजी विद्यालय में हुआ। विद्यार्थी शिक्षकों ने विद्यालयों में रहकर विद्यालय के शिक्षकों के शिक्षण कार्य की बारीकी को सीखा एवं विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों, खेल का मैदान, शाला प्रबन्धन, भौतिक व मानवीय संसाधन, कक्षा शिक्षण अध्यापक विद्यार्थी सम्बन्ध, एस.एम.सी. की बैठक आदि का विविध पहलुओं के आधार पर अवलोकन किया। अवलोकन के पश्चात् पर्यवेक्षकों द्वारा अपने समूह से चर्चा की गई साथ ही विद्यालय प्रधानाध्यापक व पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकन किया गया। 10 दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी शिक्षक व संकाय सदस्य अधिगम केन्द्र के अवलोकन हेतु लोक कला मण्डल गए। वहां उन्होंने म्यूजियम, कठपुतली नृत्य, राजस्थानी वेशभूषा, संस्कृति, वाद्य यंत्र, विभिन्न जातियां, आभूषण, रीति रिवाज, त्योहार आदि के बारे में जाना। सभी ने कठपुतली नृत्य देखा एवं मुक्ता काशी मंच पर लोक कला मण्डल के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत तेरहताली, एकल नृत्य व भवाई नृत्य का आनन्द लिया व कलाकारों से रूबरू हुए।

स्काउट गाईड शिविर

ऐश्वर्या शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय आवासीय स्काउट गाइड शिविर में 45 विद्यार्थी शिक्षकों ने भाग लिया। शिविर में विद्यार्थी शिक्षकों को टोली बनाना, खेल खिलाना, झंडा लगाना, प्रकृति का संरक्षण, प्राथमिक उपचार, गांठे लगाना, अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाना आदि कार्य सीखे। रात्रि कैम्प फायर में सिद्धि, रेखा, मोहनी, कमलेश द्वारा नृत्य तथा ओम सिंह, उमेश सिंह द्वारा कविता प्रस्तुत की। अन्तिम दिन बेटी बचाओ अभियान व पर्यावरण संरक्षण हेतु रैली निकाली गई।

साप्ताहिक खेलकूद प्रतियोगिता

संस्थान में खेले गए वॉलीबाल मैच में यलो हाउस ने ब्ल्यू हाउस को, रेड हाउस ने परपल हाउस तथा ग्रीन हाउस ने पिंक हाउस को हराया। फाइनल मैच ग्रीन हाउस व रेड हाउस के बीच खेला गया जिसमें रेड हाउस विजेता रहा। छात्राओं के लिए बैडमिंटन के अभ्यास मैचों में बैडमिंटन के नियमों से अवगत कराया गया।

शनिवारीय गतिविधियां

राखी बनाओं प्रतियोगिताः- विद्यार्थी शिक्षक ने घर से लाई हुई विभिन्न वस्तुओं से राखी का निर्माण किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कौशल्या रावल व द्वितीय स्थान पर महेन्द्र सिंह व सुमित्र रहे।

एकल गीत प्रतियोगिताः- एकलगीत प्रतियोगिता में प्रथम ओम सिंह चारण व उमेश सिंह ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर सिद्धि सालवी, हेमन्त प्रजापत व पिंकी रहे।

उत्सव व जयन्ती

संस्थान में गुरु पूर्णिमा, संस्कृत दिवस, कृष्णजन्माष्टमी महोत्सव एवं हिन्दी दिवस मनाया गया।

रिपोर्टर : पूनम दवे

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

किसानों को जागरुक करते विशेषज्ञ

पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह

केन्द्र द्वारा 11वां पार्थेनियम जागरुकता सप्ताह मनाया गया। सप्ताह कि शुरुआत परिसर में श्रमदान कर पार्थेनियम उखाड़ने से हुई। अगले क्रम में विद्यार्थियों एवं किसानों को पार्थेनियम के मानव एवं पशुओं के स्वास्थ्य, पर्यावरण, उत्पादकता एवं प्राणीजीवन के बारे में विद्या भवन उच्च माध्यमिक विद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 120 छात्रों ने खेल मैदान में श्रमदान किया। इसी क्रम में फलीचडा गांव में खेडी के करीब 100 किसानों एवं छात्रों ने श्रमदान किया।

उद्यानिकी पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा उद्यानिकी पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण में पाली जिले के 30 किसानों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में कृषकों को नर्सरी प्रबन्धन, संवर्धन की विधियां, फल, फूल एवं सब्जी उत्पादन से संबंधित नई तकनीक, समन्वित कीट एवं रोग प्रबन्धन, सिचाई एवं पोषण से संबंधित विभिन्न तकनीक, फल, एवं सब्जियों उत्पादन की आर्गेनिक विधि, मृदा नमूने लेने के तरीके, मिश्रित खेती, कटाई उपरान्त फल, फूल एवं सब्जियों का प्रबन्धन, संरक्षित खेती आदि के बारे में बताया गया।

तिलहनी फसलों पर प्रशिक्षण

राष्ट्रीय तिलहन एवं ताड़वृक्ष मिशन की परिकल्पना तिलहन एवं ताड़वृक्ष से प्राप्त खाद्य तेल के उत्पादन को बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक 7.06 मिलियन टन से बढ़ाकर 9.51 मिलियन टन पहुंचाने की है। इस परिकल्पना को प्राप्त करने के लिए किसानों के प्रशिक्षण को इस मिशन की मार्गदर्शिका में समायोजित किया गया है। इसलिए केन्द्र पर राज्य कृषि विभाग के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण में उदयपुर जिले के बड़गांव ब्लॉक के 30 किसानों ने भाग लिया।

कस्टम हायरिंग सेन्टर शुरू

केन्द्र में कृषि को आधुनिक बनाने के लिए यंत्रों एवं उपकरणों का एक 'फार्म मशीनरी बैंक' 'कस्टम हायरिंग केन्द्र' खोला गया है। इसका मुख्य उद्देश्य छोटी जोत वाले किसानों को कृषि के कामों के लिए मशीनरी उपलब्ध कराना है। जिससे उनके लागत में कमी के साथ कृषि उत्पादकता में वृद्धि हो सके तथा कृषि को फायदेमंद उद्यम बनाने में सहयोग मिले। फार्म मशीनरी बैंक में फसलों की विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार उपयोग में आने वाले यंत्रों जिसमें ट्रेक्टर, मोल्ड बोर्ड प्लो, कल्टिवेटर, रोटावेटर एवं बण्ड फॉर्मर का उपयोग खेत तैयार करने में, सीड ड्रिल का उपयोग बुवाई में, पॉवर वीडर का उपयोग निराई और गुडाई में, स्वचालित रिपर कम बाईण्डर का उपयोग कटाई और बंधाई में एवं मल्टी क्रोप थ्रेसर का उपयोग विभिन्न फसलों की गहाई में करने के लिए किसानों के लिए किराये पर उपलब्ध है। राजस्थान में विद्या भवन अकेला कृषि विज्ञान केन्द्र है जहां फार्म मशीनरी बैंक को सरकार की मदद से स्थापित किया गया है।

किचन गार्डन पर प्रशिक्षण

झाड़ोल क्षेत्र में 'किचन गार्डन' के प्रदर्शन स्थापित करने के उद्देश्य से सालूखेड़ा ग्राम में किचन गार्डन का महत्त्व, रूपरेखा, मानव आहार में सब्जियों का महत्व एवं पोषण स्तर के बारे में अवगत करवाया गया। इसके साथ ही किचन गार्डन स्थापित करने का तरीका, क्यारी का आकार एवं बनावट, धूप एवं पौधे के आकार के अनुसार स्थान का चयन, पौध तैयार करने की विधि बताते हुए प्रशिक्षणार्थियों को किचन गार्डन लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

उड़द पर प्रक्षेत्र दिवस

नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन के अंतर्गत दलहनी फसलों की पैदावार बढ़ाने के उद्देश्य से मावली तहसील में 20 हेक्टेयर क्षेत्रफल में उड़द की उच्च उत्पादन क्षमतावाली उन्नत किस्म आजाद-3 का प्रदर्शन किया गया। इस किस्म की उत्पादन क्षमता से किसानों को अवगत कराने के उद्देश्य से भीमल एवं मण्डप गांव में उड़द पर खेत दिवस मनाया जिसमें क्रमशः 62 एवं 65 कृषकों ने भाग लिया।

पौध संरक्षण पर प्रक्षेत्र दिवस

सोयाबीन की फसल में क्षति पहुंचाने वाले कीटों, खासकर कुबड़ वाली लट (सेमी लूपर) व काली लट के नियंत्रण हेतु कीटनाशक के साथ जैविक कीटनाशकों का पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए प्रबंधन पर आधारित प्रक्षेत्र दिवस फलीचड़ा खेड़ी (मावली) में किया गया। किसानों के खेत पर परीक्षण लगाया गया, जिसके अंतर्गत जैविक एवं रसायनिक कीटनाशकों का छिड़काव निश्चित अतंराल पर किया गया व लटों की संख्या का आकलन भी निश्चित दिवसों पर किया गया। इस कार्यक्रम में 60 किसानों ने भाग लिया।

असंस्थागत प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा फलीचड़ा खेडी में ट्राईकोग्रामा कार्ड पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। साथ ही ट्राईकोकार्ड के पांच कार्ड शाम को प्रति हैक्टेयर के हिसाब से प्रायोगिक रूप से किसानों की सोयाबीन की फसल में छोड़ा गया। प्रशिक्षण में 60 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

विज्ञान की गतिविधि करते विद्यार्थी

शिक्षा संबल कार्यक्रम

शिक्षा संबल विद्या भवन व हिन्दुस्ताान जिंक लिमिटेड का एक साझा कार्यक्रम है। इसके तहत पांच जिलों के 55 सरकारी माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बच्चों को विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी विषय में अकादमिक मदद दी जा रही है। बच्चों की अवधारणात्मक समझ को पुख्ता करना व परीक्षा परिणामों को बेहतर करना इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम में कुल 78 अनुदेशक कार्य कर रहे हैं। जुलाई में अनुदेशकों का 10 दिवसीय उन्मुखीकरण किया गया। इसके पश्चात् सभी अनुदेशकों ने अपने विद्यालयों में शिक्षण कार्य करवाना प्रारम्भ कर दिया है।

नर्सरी स्कूल इंटरवेंशन

केन्द्र की टीम द्वारा नर्सरी स्कूल में काम की निरन्तरता को बनाए रखने के लिए दो स्थायी शिक्षिकाओं की नियुक्ति की गई जिनके साथ केन्द्र के एक सदस्य का प्रतिदिन स्कूल जाना तय किया गया ताकि वह योजना बनाने एवं उसे लागू करने में निरंतर सहयोग कर पाए। साथ ही टेक्स्टबुक रिव्यू प्रक्रिया के दौरान पहचान की गई आवश्यक शैक्षिक सामग्री जैसे ब्लॉक्स, पजल गेम आदि उपलब्ध करवाई गई। केन्द्र की टीम द्वारा प्रति सप्ताह शनिवार को योजना बैठक करना तय किया गया जिसमें पिछले सप्ताह के काम की समीक्षा के साथ आगामी सप्ताह की योजना बनाना तय किया गया। उक्त तिमाही के दौरान अभिभावकों के साथ कार्ययोजना और स्कूल में इसके क्रियान्वयन हेतु सुझाव पाने के लिए दो बैठकें भी आयोजित की गई।

आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग से सेवा मंदिर द्वारा संचालित 'खुशी आंगनवाड़ी' प्रोजेक्ट के तहत गिर्वा व झाड़ोल ब्लॉक की 575 आंगनवाड़ियों में 'शाला पूर्व शिक्षण' को प्रभावी बनाने में विद्या भवन में संयुक्त साझेदार की भूमिका में कार्य प्रारम्भ किया। कार्यक्रम के तहत अगस्त में सेवा मंदिर के 31 फील्ड मॉनिटर्स के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। साथ ही विद्या भवन ने लगभग 250 आंगनवाडियों में 'हैण्ड होल्डिंग सपोर्ट' के तहत अपने फील्ड अनुदेशकों द्वारा शाला पूर्व शिक्षा को प्रभावी बनाने हेतु लगातार इंटरवेंशन कार्य भी प्रारम्भ किया। इसी संदर्भ में साक्षात्कार प्रक्रिया द्वारा 21 अनुदेशकों को नियुक्त किया गया तथा सितम्बर में इनके लिए भी 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए प्रस्तावित आगामी प्रशिक्षणों के लिए 5 दिवसीय 'माड्यूल निर्माण कार्यशाला' आयोजित की गई।

समुदाय के जुड़ाव के लिए पहल

केन्द्र ने झारखण्ड राज्य के दो ब्लॉक (गोला- जिला रामगढ़ और पोरियाहाट- जिला गोडा) में प्रदान और टी.आर.आई. नामक संस्थाओं के साथ मिलकर स्कूल और समुदाय के मध्य जुड़ाव बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। जुलाई-अगस्त के दौरान केन्द्र के 7 साथियों

कोलगेट कम्पनी की ओर से झाड़ोल और कोटड़ा क्षेत्र के बच्चों को विशेष स्कॉलरशिप

कोलगेट कम्पनी द्वारा सेवा मन्दिर के माध्यम से झाड़ोल और कोटड़ा आदिवासी बहुल क्षेत्र के गरीब तबके के बच्चों के लिए विशेष स्कॉलरशिप कार्यक्रम के तहत 33 बच्चों का चयन किया तथा उन्हें विद्या भवन स्कूल में अध्ययन के लिए दाखिला दिलाया। इनमें से 25 बच्चों को कोलगेट कम्पनी की ओर से स्कॉलरशिप दी गई। कम्पनी के प्रबन्ध संचालक ईसाम ने प्रतिनिधियों के साथ बालिका छात्रावास का दौरा किया तथा विद्यालय में टेबल टेनिस कोर्ट तथा गेम्स रूम का उद्घाटन भी किया।

सेवा मंदिर की मुख्य संचालिका प्रियंका सिंह ने सेवा मंदिर की कोलगेट के साथ भागीदारी के बारे में बताया। कोलगेट के प्रबन्ध संचालक ईसाम ने खुशी जाहिर की कि उन्हें विद्या भवन जैसी पुरानी संस्था जो शिक्षा के क्षेत्र में कई दशकों से कार्य कर रही है, के साथ संबंध बनाने का मौका मिला। इस अवसर पर विद्या भवन सोसायटी एवं सेवा मंदिर के अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि कोलगेट कम्पनी की ओर से विद्या भवन को स्कॉलरशिप का यह सबसे बड़ा तोहफा मिला है। उन्होंने इस बात पर हर्ष जताया कि उन्हें कोलगेट कम्पनी के रूप में एक और प्रन्यासी मिल गया है। उन्होंने वहां उपस्थित अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से वायदा किया कि विद्या भवन उन्हें अच्छी से अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सुविधाएँ देने के लिए कटिबद्ध रहेगा। अंत में विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल की प्राचार्या मधुलिका कोठारी ने अतिथियों को धन्यवाद देते हुए अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि हम इस बात के लिए कटिबद्ध हैं कि उनके बच्चों के लिए रहने की एक सुन्दर जगह हों, वे अच्छी पढ़ाई करें और उनका शैक्षिक आधार इतना मजबूत बनें कि वे भविष्य में समाज को बेहतर बनाने में योगदान दे सके। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा अतिथियों एवं विद्यार्थियों के बीच रस्सा-कस्सी का मैच हुआ।

ने 10 दिनों की विजिट की जिसकी रिपोर्ट अक्टूबर में दिल्ली में प्रस्तावित मिटिंग में सभी संस्थाओं के साथ साझा की जाएगी।

इस्टर्न यू.पी. प्रोजेक्ट

विद्या भवन टीम ने बहराइच जिले के तीन ब्लॉक के 30 स्कूलों का अवलोकन कर 20 का चयन किया। स्कूल अवलोकन का उद्देश्य इन स्कूलों में पुस्तकालय की स्थिति एवं शिक्षकों की पुस्तकालयों के बारे में समझ जानना था। इन 20 स्कूलों के बच्चों के लिए हिन्दी, अंग्रेजी और गणित में पठन सामग्री (ब्रिज कोर्स) का निर्माण किया गया। यह सामग्री बच्चों को कक्षा और कक्षा के बाहर बेहतर सीखने के अवसर देगा।

डाइट के अंतर्गत पिछले दिनों बीटीसी द्वितीय वर्ष के छात्र-अध्यापकों के स्कूल संपर्क कार्यक्रम में विद्या भवन की टीम ने छात्रों के साथ अध्यापन कौशलों पर चर्चा की। छात्र अध्यापकों व संकायों को विभिन्न विषयों से संबंधित पठन सामग्री भी दी गई।

क्यूस्ट एलायंस से अनुबंध

केन्द्र का क्यूस्ट एलायंस के साथ एक वर्ष के लिए अनुबंध हुआ है। अनुबंध के तहत विद्या भवन को क्यूस्ट एलायंस के समस्तीपुर जिले के कालुंजर क्षेत्र में कक्षा एक से लेकर आठ तक के शिक्षकों के लिए कॉम्प्रिहेंसिव कार्यशालएं तथा बच्चों का बेसलाईन और एण्डलाईन प्रश्न-पत्र बनाकर उसका विश्लेषण और रिपोर्ट साझा करनी है।

आई.आई.एम. ड्यूक अध्ययन

ड्यूक अध्यन के तहत सकारात्मक कार्यवाही से संबंधित डाटा आरक्षित वर्ग के 95 नौकरी पेशा लोगों से भरवाया गया। जिसमें उन्होंने सकारात्मक कार्यवाही से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त रंगवाद से संबंधित डाटा सभी वर्गों से संबंधित 150 लोगों से भरवाया गया जिसमें उन्होंने रंग के आधार पर अपने अनुभवों को साझा किया। फिलहाल प्राप्त डेटा की इनपुटिंग का काम जारी है तत्पश्चात् इसका गुणात्मक विश्लेषण किया जाएगा।

हजीरा प्रोजेक्ट

केन्द्र की हजीरा शाखा द्वारा दो दिवसीय प्लानिंग मिटिंग में अनुदेशकों के साथ सीखने-सिखाने और आगामी माह में बच्चों के साथ काम की योजना बनाई गई। केन्द्र द्वारा हजीरा हाई स्कूल के लगभग 60 बच्चों के साथ गणित की बुनियादी अवधारणाओं जैसे बीज गणित, संख्या ज्ञान, गुणा एवं भाग पर आधारित कक्षाएं संचालित की गई जिससे बच्चों में इनकी समझ बेहतर हुई। केन्द्र द्वारा विस्वा एवं धमका स्कूल में लगभग 300 बच्चों के साइंस इवेंट आयोजित किया जिसमें बच्चों के साथ विज्ञान के अवलोकन, विश्लेषण आदि कौशलों पर काम किया गया। 'हेण्ड्स ऑन साइंस' कार्यक्रम के तहत 8 स्कूलों में 77 विज्ञान किट बांटे गए। केन्द्र ने आंगनवाड़ी के क्षेत्र में भी काम करने की इच्छा जाहिर की जिसके लिए कुपोषण से संबंधित आंकड़े इकट्ठे किए गए। केन्द्र द्वारा जुनागाम, राजनगरी, सुवाली और भरलाई के 4 स्कूलों में मैट्रिक मिजर्स का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया। योजनानुसार मोबाइल लाइब्रेरी के नियमित फेरे जारी हैं जिसमें प्रतिमाह औसत 300 लड़के, 200 लड़कियां और 120 ग्रामीण लाभान्वित हुए।

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

अतीत के झरोखे से

शिक्षा में नवीन प्रयोग और समाज

दिनांक 6 मई, 1950 को विद्या भवन के वार्षिकोत्सव के अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के उपकुलपति आचार्य नरेन्द्र देव द्वारा दिए गए भाषण का कुछ अंश यहां प्रस्तुत है।

विद्या भवन का नाम कई दिनों से मैं सुन रहा था कि इसमें नये–नये प्रयोग होते हैं। इस प्रकार की संस्थाएं देश में कम ही हैं। बच्चे राष्ट्र की सम्पत्ति हैं। यदि देश में शिक्षा सम्पन्न नागरिक पैदा करने हैं तो बिना शिक्षा को नये आधार पर स्थापित किये काम न चलेगा। शिक्षा जीवनोन्नति का मूल है। आज के विद्यार्थियों में लोगों को अनुशासन की कमी की शिकायत है पर वह तो हमारे सारे समाज में ही मौजूद है। शिक्षकों को चरित्र का धनी होना चाहिए तभी विद्यार्थियों के भी चरित्र का निर्माण सम्भव होगा।

शिक्षण संस्थाओं के विचार स्वतन्त्र होने चाहिये। छात्र और शिक्षकों का सम्बन्ध सुन्दर होना चाहिये तथा स्वतन्त्र प्रयोगों को दानियों का सहयोग मिलना चाहिये। राजस्थान राज्य को इस संस्था पर गर्व होना चाहिये। इसकी उसे पूरी सहायता करनी चाहिये। यहां के ट्रेनिंग कॉलेज से जो शिक्षक निकलते हैं उनका लाभ सारे राजस्थान को मिलता है।

शिक्षा को प्रमुख स्थान मिले तभी खेती आदि व्यवसाय भी पनप सकते हैं। संसार संकट से गुजर रहा है। समाज के आधारभूत सिद्धान्तों में तीव्र मतभेद हैं। हम एक नये सामंजस्य की तलाश में हैं। यदि हमारे शिक्षालय इसकी खोज नहीं कर सकते तो और कौन कर सकता है? मैं तो यही चाहता हूँ कि विद्या भवन उत्तरोत्तर वृद्धि करे तथा अन्य संस्थायें भी इस नमूने को देख कर बढ़ती रहें। नये शिक्षण परीक्षण का स्वागत न होने से उन्नति रुकती है।

डॉ. (श्रीमती) विश्व विजया सिंह

पूर्व प्रधानाध्यापिका- विद्या भवन स्कूल

...पृष्ठ 3 का शेष

भारत के प्रतीक चिह्नों एवं तिरंगे झण्डे का महत्त्व बताया। बच्चों ने देशभक्ति गीत गाए। रक्षाबन्धन पर नर्सरी परिसर में के. वी.के. के डॉ. जोधा और उनकी टीम द्वारा श्रमदान हुआ। इसके साथ बच्चों से राखी बनवाकर उन्हें बांध कर रक्षाबन्धन उत्सव मनाया। 'मॉण्टेसरी डे' पर बच्चों ने "जंगल बुक" मूवी देखी।

रेनी-डे पर पकोड़ा पार्टी रखी गई। बच्चों ने बारिश से सम्बन्धित गीत गुनगुनाए व नृत्य किये।

हॉकी में विद्या भवन का दबदबा

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल की मेजबानी में जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता अण्डर 17 एवं 19 वर्ष छात्र-छात्रा प्रतियोगिता का 1 से 4 सितंबर को आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में उदयपुर जिले की 33 टीमों ने भाग लिया। अण्डर 17 छात्र वर्ग में विद्यालय टीम ने राजकीय उमावि ईसवाल को 2-0 से हरा कर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अण्डर 17 में विद्यालय की टीम लगातार चौथे वर्ष विजेता रही। टीम में से छः छात्रों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। इसमें योगेश कासौटा कक्षा 10, शैलेन्द्र गरासिया कक्षा 10, प्रदीप कुमार मीणा, कक्षा 10, जयदीप खराड़ी कक्षा 10, चिराग तेजावत कक्षा 10, अजय कुमार मीणा कक्षा 9 शामिल हैं। इसी प्रतियोगिता में शैलेन्द्र गरासिया को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। अण्डर 17 छात्र वर्ग में उदयपुर जिले की 8 टीमों ने प्रथम बार भाग लिया। इसमें विद्यालय की टीम भी शामिल थी। यह मुकाबला राजकीय माध्यमिक विद्यालय काया ने जीता।

अण्डर 19 छात्र वर्ग में विद्यालय टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। फाइनल मुकाबले में विद्यालय की टीम ने राजकीय फतह सीनियर सैकण्डरी स्कूल की टीम को 3-1 से हराया। विद्यालय की टीम से चार छात्रों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। इनमें कक्षा-12 के नरेश कुमार मीणा, सुनिल कुमार मीणा, रोहित धाकड़ और अविनाश लबाना शामिल हैं। प्रतियोगिता में नरेश मीणा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

अण्डर 19 छात्रा वर्ग में विद्यालय टीम ने प्रथम बार भाग लेते हुए बीएन पब्लिक स्कूल को 1-0 से हरा कर खिताब जीता। इस प्रतियोगिता के आधार पर 6 छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। इनमें कक्षा-11 से हेमलता परमार, सोनू मीणा, सीमा कटारा, सीता वडेरा, तथा कक्षा-12 से रैना मीणा व कक्षा-10 से अमीषा मीणा शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में रैना मीणा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई।

अभिषेक राज्य स्तरीय कुश्ती में

अंकित पब्लिक स्कूल ढींकली रोड की मेजबानी में आयोजित जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 17 वर्ष छात्र में विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के अभिषेक मीणा 42 किलोवर्ग भार में ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अभिषेक का चयन राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

नेहरू हॉकी में विद्या भवन को खिताब

नेहरू हॉकी प्रतियोगिता अण्डर 15 में विद्यालय टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता राजकीय माध्यमिक विद्यालय तितरड़ी की मेजबानी में हुई। फाइनल मुकाबला बीएन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के बीच खेला गया था। टीम ने रिंगस, सीकर में राज्य स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व किया। टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची।

क्रिकेटी टीम क्वार्टर फाइनल में

विद्यालय की क्रिकेट टीम ने अंडर 17 टीम ने क्वार्टर फाइनल मे स्थान बनाया। प्रतियोगिता सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सैंट्रल एकेडमी की मेजबानी में आयोजित की गई।

जयवीर जिम्नास्टिक में चयनित

जयवीर नाथ चौहान का चयन अण्डर 14 जिम्नास्टिक टीम में हुआ। वे राज्य स्तरीय जिम्नास्टिक टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

शारीरिक शिक्षक कुलदीप शर्मा का सम्मान

कुलदीप शर्मा सम्मानित

स्कूल के स्पोर्ट्स कोच कुलदीप शर्मा को सम्मानित किया गया। कुलदीप को यह सम्मान शिक्षा विभाग के शारीरिक शिक्षकों, प्रशिक्षकों और हॉकी खेल से जुड़े अधिकारियों द्वारा प्रतियोगिता को सुचारू एवं सुव्यवस्थित रूप से संपादित कराने के लिए दिया गया। उन्हें मेवाड़ी पाग पहनाई गई एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:
Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,

.....

.....

.....

.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : संजय प्रिंटर्स, 71–महिला मण्डल के पास, उदयपुर (राज.) फोन : 9001000700, 9414316479